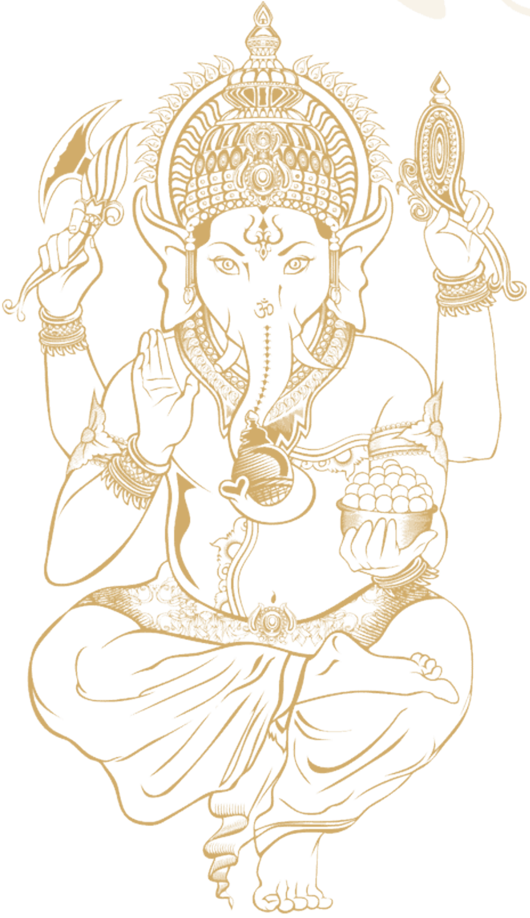

??? ?? ????????

07 Jan 1979

01:30 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121173607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/01/1979**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**01:30:00 घंटे**
इष्ट	45:36:49 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:06:20 घंटे
वेलान्तर	-00:05:36 घंटे
साम्पातिक काल	08:09:32 घंटे
सूर्योदय	07:15:16 घंटे
सूर्यास्त	17:43:25 घंटे
दिनमान	10:28:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:20:55 धनु
लग्न के अंश	05:02:31 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:02:31	315:06:02	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			धनु	22:20:55	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मेष	08:59:40	13:00:25	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	धनु	25:38:42	00:46:26	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			धनु	03:27:01	01:24:13	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		कर्क	12:46:15	00:07:07	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	06:01:39	00:55:17	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
शनि	व		सिंह	20:13:14	00:01:25	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	26:22:10	00:02:04	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	26:22:10	00:02:04	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			तुला	26:23:14	00:02:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
नेप			वृश्चि	25:28:25	00:02:04	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
प्लूटो			कन्या	25:35:38	00:00:32	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			कर्क	06:37:54	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:48

लग्न-चलित

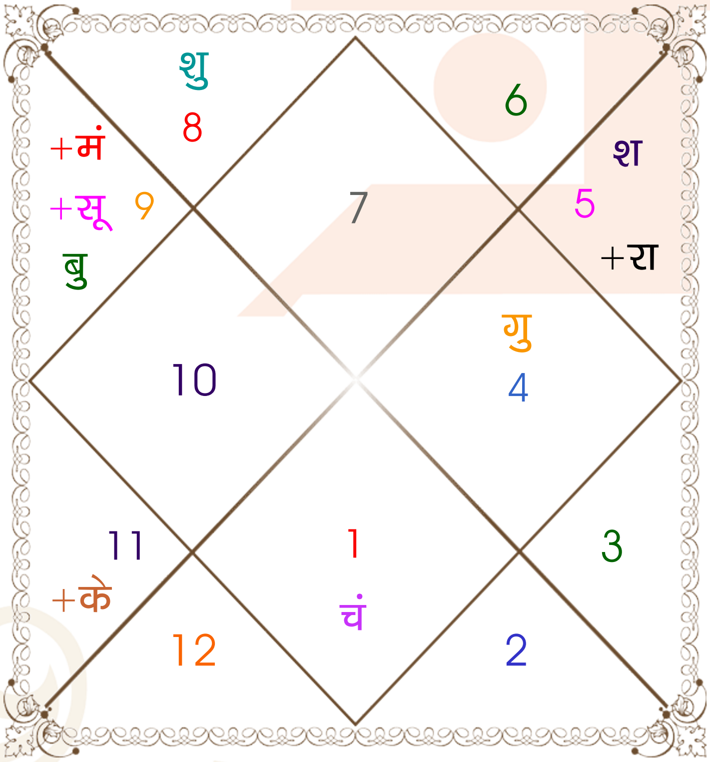

चन्द्र कुंडली

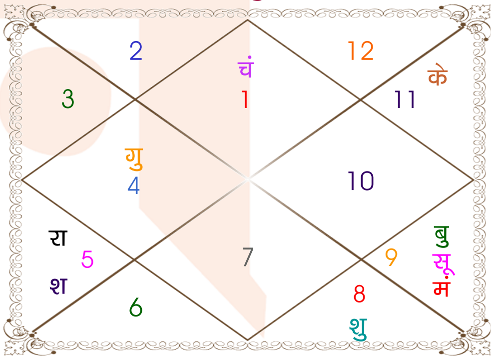

नवमांश कुंडली

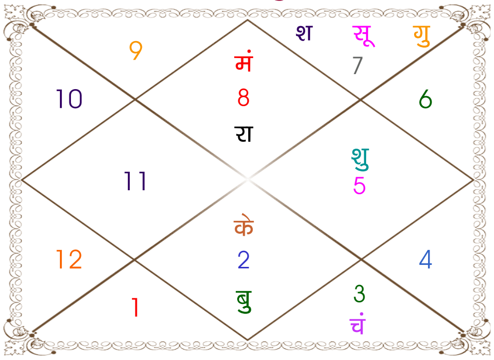

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 3 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
07/01/1979	**18/04/1981**	**18/04/2001**	**18/04/2007**	**18/04/2017**
18/04/1981	**18/04/2001**	**18/04/2007**	**18/04/2017**	**17/04/2024**
00/00/0000	शुक्र 17/08/1984	सूर्य 05/08/2001	चंद्र 16/02/2008	मंगल 14/09/2017
00/00/0000	सूर्य 17/08/1985	चंद्र 04/02/2002	मंगल 16/09/2008	राहु 02/10/2018
00/00/0000	चंद्र 18/04/1987	मंगल 12/06/2002	राहु 18/03/2010	गुरु 08/09/2019
00/00/0000	मंगल 17/06/1988	राहु 06/05/2003	गुरु 18/07/2011	शनि 17/10/2020
00/00/0000	राहु 18/06/1991	गुरु 23/02/2004	शनि 16/02/2013	बुध 14/10/2021
07/01/1979	गुरु 16/02/1994	शनि 03/02/2005	बुध 18/07/2014	केतु 12/03/2022
गुरु 13/03/1979	शनि 18/04/1997	बुध 11/12/2005	केतु 16/02/2015	शुक्र 12/05/2023
शनि 20/04/1980	बुध 16/02/2000	केतु 18/04/2006	शुक्र 17/10/2016	सूर्य 17/09/2023
बुध 18/04/1981	केतु 18/04/2001	शुक्र 18/04/2007	सूर्य 18/04/2017	चंद्र 17/04/2024

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
17/04/2024	**18/04/2042**	**18/04/2058**	**18/04/2077**	**18/04/2094**
18/04/2042	**18/04/2058**	**18/04/2077**	**18/04/2094**	**00/00/0000**
राहु 29/12/2026	गुरु 05/06/2044	शनि 21/04/2061	बुध 14/09/2079	केतु 14/09/2094
गुरु 24/05/2029	शनि 17/12/2046	बुध 30/12/2063	केतु 10/09/2080	शुक्र 14/11/2095
शनि 30/03/2032	बुध 24/03/2049	केतु 07/02/2065	शुक्र 12/07/2083	सूर्य 21/03/2096
बुध 17/10/2034	केतु 28/02/2050	शुक्र 08/04/2068	सूर्य 18/05/2084	चंद्र 20/10/2096
केतु 05/11/2035	शुक्र 29/10/2052	सूर्य 21/03/2069	चंद्र 17/10/2085	मंगल 18/03/2097
शुक्र 05/11/2038	सूर्य 17/08/2053	चंद्र 20/10/2070	मंगल 14/10/2086	राहु 06/04/2098
सूर्य 29/09/2039	चंद्र 17/12/2054	मंगल 29/11/2071	राहु 03/05/2089	गुरु 07/01/2099
चंद्र 30/03/2041	मंगल 23/11/2055	राहु 05/10/2074	गुरु 09/08/2091	00/00/0000
मंगल 18/04/2042	राहु 18/04/2058	गुरु 18/04/2077	शनि 18/04/2094	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 3 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रुप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।